



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड I
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 33]
No. 33]

नई दिल्ली, सोमवार, जनवरी 28, 2008/माघ 8, 1929
NEW DELHI, MONDAY, JANUARY 28, 2008/MAGHA 8, 1929

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 जनवरी, 2008

प्रारंभिक जांच परिणाम

विषय : चीन के मूल के या वहाँ से निर्यातित डायक्लोफेनैक सोडियम के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच ।

सं. 14/4/2007-डीजीएडी.—1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे एतदपश्चात् अधिनियम कहा गया है) तथा सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन तथा संग्रहण एवं क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे एतदपश्चात् नियम कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए ;

क. प्रक्रिया

2. निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है :

क. निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे एतदपश्चात् प्राधिकारी कहा गया है) को नियमों के अंतर्गत घरेलू उद्योग की ओर से मै. कैरव कैमिकल्स लि., मै. अमोली ऑर्गेनिक्स लिमिटेड एवं मै. आरती ड्रग्स लि. से एक लिखित याचिका प्राप्त हुई जिसमें चीन (जिसे एतदपश्चात् संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित डायक्लोफेनैक सोडियम (जिसे एतदपश्चात् संबद्ध वस्तु कहा गया है) के पाटन का आरोप लगाया गया है और संबद्ध वस्तु पर पाटनरोधी शुल्क लगाने हेतु पाटनरोधी जाँच शुरू करने का अनुरोध किया गया है;

ख. प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियम 5 के उप नियम (5) के अनुसार जाँच की कार्यवाही शुरू करने से पूर्व याचिकाकर्ता द्वारा किए गए पाटन संबंधी आवेदन की प्राप्ति के बारे में चीन के दूतावास को अधिसूचित किया;

ग. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की ओर से आवेदक द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त साक्ष्य पर आरोपित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और प्रभाव का निर्धारण करने और पाटनरोधी शुल्क की उस राशि की सिफारिश करने, जिसे यदि वसूल किया जाता है तो वह घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी, नियमावली के उप-नियम 6(1) के अनुसार चीन के मूल के या वहाँ से

निर्यातित डायक्लोफेनैक सोडियम के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जाँच शुरू करते हुए 4 जून, 2007 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की, जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया;

घ. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने 4 जून, 2007 की जाँच शुरूआत संबंधी अधिसूचना की प्रतियाँ भारत में चीन के दूतावास, संबद्ध देशों के ज्ञात निर्यातकों, आवेदक द्वारा उपलब्ध कराए गए पतों के अनुसार आयातकों, उपभोक्ताओं और घरेलू उद्योग को भेजीं और उनसे जाँच शुरूआत संबंधी अधिसूचना के 40 दिन के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया;

ड. प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियम 6(3) के अनुसार आवेदन के अगोपनीय रूपांतर की प्रतियाँ ज्ञात निर्यातकों और चीन के दूतावास को उपलब्ध कराई;

च. नियम 6(2) के अनुसार जाँच शुरू करने के बारे में भारत स्थित चीन के दूतावास को इस अनुरोध के साथ सूचित किया गया था कि वह चीन के निर्यातकों/उत्पादकों को निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने की सलाह दें। निर्यातकों को भेजे गए पत्र और प्रश्नावली की एक प्रति निर्यातकों के नाम और पते के साथ उन्हें भी भेजी गई थी;

छ. प्राधिकारी ने नियम 6(4) के अनुसार संगत सूचना माँगने के लिए संबद्ध देशों में निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावलियाँ भेजीं :

1. शेनडॉंग यीबाओ बायोलॉजिक्स कं. लि.
जिंगलॉंग इंडस्ट्रियल गार्डन
जिंगलॉंग झुआंग टाऊन
यानझाऊ सिटी, शेनडॉंग प्रांत
चीन
2. कम्फर्टकम्स ग्रुप कं. लि.
26डी, दुशिहुआयुआन, जिंझाऊ रोड,
फुतियन जिला, शेनझेन,
ग्वांगडांग, चीन
3. जीबीबी ग्रुप कं. लि.
डेवलपमेंट जोन,
बिनझाऊ, शेनडॉंग
चीन
4. हेबाई जिहेंग (ग्रुप) फार्मास्युटिकल कं. लि.
368, जियानशे स्ट्रीट, ह्वेगशुई सिटी, हेबाई
चीन

5. हेबाई वेअंग एनिमल फार्मास्युटिकल कं. लि.
383 ईस्ट हैपिंग रोड, शिजियाझुआंग सिटी,
हेबाई प्रांत, चीन
6. मेडिको (शिजियाझुआंग) इंडस्ट्रीज एंड ट्रेड कं. लि.
रूम 7जी, ब्लॉक ए, सिटी गार्डन, 159 जिनहुआ रोड,
शिजियाझुआंग सिटी, हेबाई प्रांत
चीन
7. शेनडॉंग रेअंग फार्मास्युटिकल कं. लि.
6 अरलेंगशान रोड, यियुअन काउंटी,
शेनडॉंग प्रांत, चीन
8. शेनडॉंग यीबाओ बायोलॉजिक्स कं. लि.
जिंगलॉंग इंडस्ट्रियल गार्डन
जिंगलॉंग झुआंग टाऊन
यानझाऊ सिटी, शेनडॉंग प्रांत
चीन
9. शांक्सी हैड्रेंग साइंटिफिक टैक एंड ट्रेड कं. लि.
6/एफ, बिल्डिंग 1, 17 ल्यु लेन,
यिंगजे जिला, ताइयुवान सिटी,
शांक्सी प्रांत
चीन
10. स्काईरन इंटरनेशनल ग्रुप सनशाइन कार्पोरेशन
50, झोंगहुआ रोड, नयनजिंग, जियांगशु,
चीन
11. द टिएनएन डेवलपमेंट लि.
रूम 2901, रेनबो बिल्डिंग, 23 रेनमिन रोड,
जोंगशान जिला, डेलियन सिटी, लियोनिंग प्रांत
चीन
12. वुहान लिहुआ इंटरनेशनल ट्रेड कार्पोरेशन
1205बी, जिउयुन गार्डन, 34 जियांगहान नॉर्थ रोड,
वुहान सिटी, हेबाई प्रांत
चीन

13. शेनझेन झिजुन फार्मास्युटिकल कं. लि.
एड: ब्लॉक-5, बगुआलिंग इंडस्ट्रियल डिस्ट्रिक्ट
शेनझेन,
चीन जन. गण.

ज. तथापि, प्रश्नावली का उत्तर केवल एक निर्यातक मै. तेंजीन यंगकी कैमिकल इंडस्ट्री कं. लि. से प्राप्त हुआ है। प्रश्नावली का उत्तर मै. हेनान दोंगटाई फार्मा कं. लि. से भी प्राप्त हुआ था जिसे उसी शेयरधारक द्वारा तेंजीन यंगकी के साथ सामान्य नियंत्रण में बताया गया है। उस सीमा तक ये दोनों उत्तर दोनों संबंधित कंपनियों से प्राप्त हुए हैं।

झ. नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना माँगते हुए भारत में सम्बद्ध वस्तुओं के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/उपभोक्ताओं को प्रश्नावली भेजी गई थी। तथापि, संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के किसी भी आयातक से प्रश्नावली का उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है।

1. नेटको फार्मा लि.
नेटको हाउस
रोड सं. 2, बंजारा हिल्स
हैदराबाद- 500033
दूरभाष- +91-40-2354 7532
फैक्स- +91-40-2354 8243, +91-40-2354 5298
ई-मेल :natinfo@natcopharma.co.in
2. युनिबिओस लैब लि.
5, सी-6, पुनम दर्शन, पुनम नगर,
अंधेरी (ई),
मुम्बई-400093,
महाराष्ट्र, भारत
3. मार्क्सन्स फार्मा लि.
कॉरपोरेट कार्यालय
601-622, छठा तल,
चिंतामणि प्लाजा, मोहन स्टूडियो कम्पाउंड,
अंधेरी- कुर्ली रोड, अंधेरी (ई),
मुम्बई- 400099
दूरभाष- +91-22-4001-20-00 (30 लाइनें)
फैक्स- +91-22-6702-10-04
ई-मेल :info@marksanspharma.com
वेब: www.marksanspharma.com

(अ) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय रूपांतर एक सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध कराया जिसे हितबद्ध पार्टियों द्वारा निरीक्षण हेतु खुला रखा;

(ट) सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जीएएपी) के अनुसार आवेदक द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तु की ईष्टतम उत्पादन लागत और उसे बनाने तथा बेचने की लागत निकाली गई थी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा।

(ठ) यह जाँच 1 जनवरी, 2006 से 31 दिसम्बर, 2006 की अवधि (जाँच अवधि) के लिए की गई थी। क्षति विश्लेषण के संदर्भ में प्रवृत्तियों की जाँच में अप्रैल, 2003- मार्च, 2004; अप्रैल, 2004-मार्च, 2005; अप्रैल, 2005-मार्च, 2006 की अवधियाँ और जाँच अवधि शामिल की गई थी।

(ड) *** यह चिह्न इस अधिसूचना में आवेदक द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का द्योतक है और प्राधिकारी ने नियमानुसार उसे गोपनीय ही माना है।

ख. विचाराधीन उत्पाद

3. विचाराधीन उत्पाद “ डायक्लोफेनैक सोडियम ” है।

4. डायक्लोफेनैक सोडियम एक कार्बनिक रसायन है। डायक्लोफेनैक सोडियम एक नॉन-स्टिरियोडल एंटी इन्फ्लैमेटरी ड्रग (एनएसएआईडी) है जिसका उपयोग आर्थराइटिस या गंभीर चोट जैसी स्थितियों में दाहरोधी एवं दर्द निवारक औषधि के रूप में किया जाता है। डायक्लोफेनैक सोडियम सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 29 के तहत उपशीर्ष 29420090 के तहत अन्य के रूप में वर्गीकृत है।

5. डायक्लोफेनैक सोडियम सफेद अथवा हल्का पीला दानेदार पाउडर कुछ आर्द्रताग्राही प्रकृति का तथा पानी में कम घुलनशील होता है।

ख.1 समान वस्तु

6. घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित डायक्लोफेनैक सोडियम विचाराधीन उत्पाद के समनुरूप है और इस पहलू का प्रतिवादी चीन के निर्यातक/विनिर्माता द्वारा विरोध नहीं किया गया है और इसलिए इसे इस जाँच के प्रयोजनार्थ समान वस्तु माना जा रहा है।

ग. घरेलू उद्योग की स्थिति और जाँच की शुरुआत

7. यह याचिका मै. कैरव केमिकल्स लि०, मै. अमोली ऑर्गेनिक्स लिमिटेड एवं मै. आरती ड्रग्स लि० द्वारा संयुक्त रूप से दायर की गई है। याचिकाकर्ता देश में सम्बद्ध वस्तु के बड़े उत्पादक हैं। देश में सम्बद्ध वस्तु का एक और उत्पादक मै. मेडिटेक कैमिकल्स लि. है जिसने याचिका का समर्थन किया है। याचिका में स्थिति संबंधी अपेक्षा की पूर्ति होती है और वर्तमान जाँच के प्रयोजनार्थ याचिकाकर्ता “घरेलू उद्योग” हैं।

घ. प्रस्तुत किए गए अन्य अनुरोध तथा मुद्दे

8. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन में संबद्ध वस्तु के उत्पादकों में से केवल एक उत्पादक मै. तेंजिंग यांगकी कैमिकल इंडस्ट्रीज कं. लि. ने प्राधिकारी को उत्तर दिया है। इसके अलावा, मै. हेनान डांगताई फार्मा कं. लि. जिसे एक ही शेयर धारक द्वारा मै. तेंजिंग यांगकी कैमिकल इंडस्ट्रीज कं. लि. के साथ सामान्य नियंत्रण में बताया जाता है, ने भी उत्तर प्रस्तुत किया है। इस सीमा तक ये दोनों ही उत्तर दो सम्बद्ध कम्पनियों से प्राप्त हुए हैं। इसके अलावा, प्रश्नावली के उत्तर में यह बताया गया है कि हेनान डांगताई द्वारा भारत के साथ कोई निर्यात सौदा नहीं किया गया है, यद्यपि यह बताया गया है कि उसने मै. तेंजिंग यांगकी कैमिकल इंडस्ट्रीज कं. लि. से मध्यवर्ती कच्ची सामग्री प्राप्त की है और विचाराधीन उत्पाद का विनिर्माण करने के बाद उसकी बिक्री घरेलू बाजार में की गई है तथा अन्य देशों को निर्यात भी किया गया है। प्राधिकारी आगे यह नोट करते हैं कि हेनान डांगताई से उत्तर प्राधिकारी द्वारा मै. तेंजिंग यांगकी कैमिकल इंडस्ट्रीज कं. लि. के प्रश्नावली के उत्तर का अवलोकन करने के बाद ही प्राप्त किया गया था और यह पाया गया था कि हेनान डांगताई एक पृथक विधिक सत्ता है और यह तेंजिंग यांगकी से संबंधित है और इसका उल्लेख उन्हें भेजे गए अपूर्णता पत्र में किया गया था। उस सीमा तक प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि मै. हेनान डांगताई फार्मा कं. लि. का प्रश्नावली का उत्तर स्वैच्छिक नहीं था। इसके अलावा, भारत में किसी भी उपभोक्ता या आयातक ने निर्दिष्ट प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है और न ही घरेलू उद्योग को छोड़कर किसी अन्य पार्टी ने वर्तमान जाँच से संगत कोई सूचना ही उपलब्ध कराई है।

घ.1 गोपनीयता

9. प्राधिकारी ने इस मामले में ग्राहकों, कीमत और लागत निर्धारण से संबंधित आंकड़ों को गोपनीय माना है क्योंकि उसके प्रकटन से अन्य हितबद्ध पार्टियों को प्रतिस्पर्धी लाभ मिल सकता है। घरेलू उद्योग (सभी उत्पादकों को एक साथ लेकर) की मात्रा से संबंधित आंकड़ों को गोपनीय नहीं माना गया है।

ड. चीन जन. गण.

ड.1 चीन जन. गण. के लिए सामान्य मूल्य

10. उत्तर केवल एक निर्यातक मै. तेंजिंग यांगकी कैमिकल इंडस्ट्रीज कं. लि. तथा उसकी सम्बद्ध कम्पनी मै. हेनान डांगताई फार्मा कं. लि. से प्राप्त हुआ है और यह संबद्ध कम्पनी यद्यपि एक पृथक विधिक सत्ता है तथापि यह बताया गया है कि वह भारत को निर्यात नहीं करती है बल्कि विश्व

के अन्य भागों को ही निर्यात करती है। निर्यातक ने जाँच अवधि के दौरान घरेलू बाजार में उनके द्वारा की गई बिक्रियों के आधार पर सामान्य मूल्य का दावा किया है।

ड.2 बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी व्यवहार के दावे का विश्लेषण और जाँच परिणाम

11. मै. तेंजिंग यांगकी कैमिकल इंडस्ट्रीज कं. लि. को छोड़कर चीन के किसी भी निर्यातक ने जाँच शुरुआत का उत्तर नहीं दिया है। उक्त निर्यातक के उत्तर का अवलोकन करते समय यह बात जाकनारी में आई है कि मै. तेंजिंग यांगकी कैमिकल इंडस्ट्रीज कं. लि. की सम्बद्ध कम्पनी मै. हेनान डांगताई फार्मा कं. लि. है और एक पृथक विधिक सत्ता है और उक्त पृथक विधिक सत्ता ने अलग से कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया था। इस बात का उल्लेख किए जाने पर मै. तेंजिंग यांगकी कैमिकल इंडस्ट्रीज कं. लि. तथा उसकी सम्बद्ध कम्पनी मै. हेनान डांगताई फार्मा कं. लि. ने एमईटी प्रश्नावली का उत्तर दिया। अपने उत्तर में उन्होंने यह बताया कि यद्यपि वे सम्बद्ध वस्तु का विनिर्माण कर रहे हैं तथापि उन्होंने भारत को उसका निर्यात नहीं किया है। उपर्युक्त दोनों उत्पादकों को विभिन्न कमियों का उल्लेख किए जाने के बावजूद मै. तेंजिंग यांगकी कैमिकल इंडस्ट्रीज कं. लि. तथा उसकी सम्बद्ध कम्पनी मै. हेनान डांगताई फार्मा कं. लि. से प्राप्त उत्तर में कुछेक संबंधित जानकारी गायब हैं जिनमें निवेश, वित्त का स्रोत और अन्य संबंधित ब्यौरे शामिल हैं जिनका मिलान चीन के उपर्युक्त निर्यातक द्वारा किए गए बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी दावे के साथ केवल वास्तविक सत्यापन पर ही किया जा सकता है। अतः इस समय सामान्य मूल्य का निर्धारण चीन के सहयोगी निर्यातक की कच्ची सामग्री की वास्तविक खपत, जो परवर्ती सत्यापन के अधीन है और इन दोनों कंपनियों को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों के अंतर्गत प्रचालनरत मानते हुए सर्वाधिक कुशल याचिकाकर्ता कंपनी की उत्पादन लागत के आधार पर विचार करने के बाद किया गया है। इसके अलावा, किसी अन्य उत्तर के अभाव में प्राधिकारी ने सामान्यतः चीन के निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण करने हेतु पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों पर भरोसा किया है और उनके लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण सर्वाधिक कुशल याचिकाकर्ता कंपनी की उत्पादन लागत के आधार पर किया गया है। उपर्युक्त मापदंडों पर विचार करते हुए इस प्रकार निर्धारित सामान्य मूल्य *** अम. डालर/कि.ग्रा. बनता है।

च.3 निर्यात कीमत

12. निर्यात कीमत का निर्धारण चीन के सहयोगी निर्यातक मै. तेंजिंग यांगकी कैमिकल इंडस्ट्रीज कंपनी लि. कंपनी द्वारा किए गए दावों, डीजीसीआई एण्ड एस से प्राप्त सूचनाओं तथा आईबीआईएस आंकड़ों पर आधारित घरेलू उद्योग से प्राप्त सूचना को व्यवहार्य सीमा तक ध्यान में रखकर किया गया है। प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ समुद्री भाड़े, अंतर्देशीय भाड़े, कमीशन तथा समुद्री बीमा, पैकिंग एवं बैंक प्रभारों के लिए कीमत समायोजनों का खुलासा किया गया है। उपर्युक्तानुसार समायोजनों के बाद प्राधिकारी द्वारा चीन के सहयोगी निर्यातक मै. तेंजिंग यांगकी कैमिकल इंडस्ट्रीज कंपनी लि. कंपनी और चीन के सभी अन्य निर्यातकों के लिए प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ इस प्रकार से निर्धारित और स्वीकार की गई भारित औसत आधार पर निवल कारखाना निर्यात कीमत क्रमशः *** प्रति कि.ग्रा. और *** अम. डा. प्रति कि.ग्रा. बनती है।

ड.4 पाटन मार्जिन

13. ऊपर यथानिर्धारित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के आधार पर सहयोगी एवं असहयोगी निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण निम्नलिखित तालिका के अनुसार किया जाता है :-

चीन जन. गण के निर्यातक/उत्पादक	सामान्य मूल्य (अम. डालर)	निर्यात कीमत (अम. डालर)	पाटन मार्जिन (अम. डालर)	पाटन मार्जिन (भा. रू.)	पाटन मार्जिन (%)
तेजिंग यांगकी	***	***	***	***	37.33
असहयोगी निर्यातक	***	***	***	***	38.67

14. इस प्रकार निर्धारित पाटन मार्जिन अनंतिम रूप से पर्याप्त और न्यूनतम सीमा से अधिक है।

च. क्षति निर्धारण हेतु कार्य प्रणाली और कारणात्मक संबंध की जाँच

च.1 घरेलू उद्योग के विचार

15. घरेलू उद्योग के विचार निम्नानुसार हैं :-

क. इस उत्पाद पर पहले पाटनरोधी शुल्क लगाया जा रहा था और इसलिए वर्ष 2003-04 से 2005-06 की अवधि के बीच घरेलू उद्योग के निष्पादन में इस पाटनरोधी शुल्क को लगाए जाने के कारण सुधार आया है। तथापि जाँच अवधि में निष्पादन में वास्तविक विकृति आई है।

ख. जाँच अवधि के दौरान संबद्ध देश से निर्यात कीमत पाटित स्तर पर बनी रही है। तथापि, आधार वर्ष की अवधि से इन कीमतों में निविष्टि की कीमतों में हुई वृद्धि के अनुपात में बढ़ोत्तरी नहीं की गई है। इसके विपरीत जाँच अवधि में निर्यात कीमत में पर्याप्त कमी हुई है।

ग. माँग में वृद्धि के प्रत्युत्तर में घरेलू उद्योग के उत्पादन, बिक्री मात्रा तथा क्षमता उपयोग में सुधार प्रदर्शित हुआ है। तथापि आयातों में वृद्धि के कारण जाँच अवधि में वृद्धि कम रही थी।

घ. लागू पाटनरोधी शुल्क के परिणामस्वरूप वर्ष 2005-06 में घरेलू उद्योग के लाभ/घाटे (पीबीटी, पीबीआईटी और पीबीडीआईटी) सभी में सुधार प्रदर्शित हुआ है। तथापि, पाटित मात्रा में पर्याप्त वृद्धि होने के कारण लाभ में जाँच अवधि में गिरावट आई है।

ड. घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई। ऐसा इस तथ्य की वजह से हुआ कि पाटित आयातों ने भारत में माँग के पर्याप्त बाजार हिस्से पर कब्जा कर लिया है।

च. संबद्ध देश से हुए आयातों द्वारा बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में पर्याप्त स्तर तक कटौती की जा रही है।

छ. संबद्ध देशों से हुए आयातों ने घरेलू उद्योग को वर्ष 2005-06 और जाँच अवधि के बीच कीमत में तेजी से कमी करने के लिए बाध्य किया है। इस प्रकार, आयातों द्वारा इस अवधि में कीमत का ह्रास हुआ था।

ज. वर्ष 2004-05 में सुधार प्रदर्शित करने के बाद जाँच अवधि में घरेलू उद्योग के रोजगार स्तरों में गिरावट आई है।

झ. वेतन एवं मजदूरी :- वेतन एवं मजदूरी में साधारण वृद्धि हुई है।

ञ. माँग एवं बाजार हिस्सा :- यद्यपि आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है तथापि घरेलू उद्योग के हिस्से में गिरावट आई है।

ट. वृद्धि :- अनेक मापदण्डों में घरेलू उद्योग की वृद्धि में नकारात्मक प्रवृत्ति प्रदर्शित होती है।

16. इस प्रकार, यह स्पष्ट हो जाता है कि इस उत्पाद पर पाटनरोधी शुल्क लागू होने के बावजूद घरेलू उद्योग को जाँच अवधि के दौरान वास्तविक क्षति हुई है।

17. वास्तविक क्षति का खतरा- घरेलू उद्योग को पहले से ही हो रही वास्तविक क्षति के अलावा चीन से हुए आयातों द्वारा घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति का खतरा उत्पन्न किया जा रहा है। आयात मात्रा में समग्र रूप में पर्याप्त वृद्धि हुई है और जिस समय पाटनरोधी शुल्क का भुगतान किया गया है, कीमतें घरेलू उद्योग की कीमतों से तुलनीय हो गई हैं। आयातों में यह वृद्धि ईष्टतम से कम कीमत पर भी अपनी सामग्री बेचने के घरेलू उद्योग के सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद हुई है। यदि घरेलू उद्योग ने कम कीमतों की पेशकश कर उसमें कमी लाने के प्रयास न किए होते तो आयातों में यह वृद्धि और हुई होती। कीमत में पर्याप्त कटौती हुई है। ऐसी स्थिति में जहाँ पाटित आयातों 31% सस्ते हैं और उत्पाद ऐसा है जिसके संबंध में उपभोक्ता एक ही बाजार के लिए एक दूसरे से प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं और जहाँ विचाराधीन उत्पाद या अंतिम उत्पाद में कोई खास अंतर नहीं है, एकमात्र संभावना यह है कि इन आयातों द्वारा चीन की अप्रयुक्त क्षमताओं की सीमा तक भारतीय माँग को पूर्णतः अपने अधीन किया जा रहा है। इस उत्पाद का उत्पादन मुख्यतः चीन और भारत में किया जाता है। चीन के उत्पादकों ने इस उत्पाद हेतु भारी क्षमताएँ सृजित की हैं।

च.2 प्राधिकारी द्वारा जाँच

18. प्राधिकारी ने हितबद्ध पार्टियों द्वारा अपने अनुरोध में दिए गए विभिन्न तर्कों को नोट किया है।

19. पाटनरोधी अधिनियम के अनुच्छेद 3.1 और पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 2 में (क) पाटित आयातों की मात्रा और समान उत्पादों के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव; और (ख) ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव, दोनों की तथ्यपरक जाँच करने का प्रावधान है। जहाँ तक पाटित आयातों के मात्रात्मक प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी के लिए यह जाँच करना अपेक्षित होता है कि क्या आयातों में समग्र रूप में या भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में पर्याप्त वृद्धि हुई है। जहाँ तक पाटित आयातों के कीमत प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी के लिए इस बात की जाँच करना अपेक्षित होता है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा कीमत में सकारात्मक कटौती की गई है अथवा ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतें अन्यथा पर्याप्त स्तर तक कम हुई हैं अथवा कीमत में ऐसी वृद्धि होने में रुकावट आई है जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती।

20. क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग पर संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के प्रभाव और उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री, कीमत और लाभप्रदता आदि पर प्रभाव की जाँच की है ताकि क्षति तथा पाटन एवं क्षति के बीच कारणात्मक संबंध, यदि कोई हो, की जाँच की जा सके।

21. चूँकि संबद्ध देश से हुए निर्यातों के लिए सकारात्मक पाटन मार्जिन की पुष्टि की गई है इसलिए संबद्ध देश से हुए सभी निर्यातों को क्षति विश्लेषण तथा कारणात्मक संबंध की जाँच के प्रयोजनार्थ पाटित आयात माना जा रहा है।

च.2.1 पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव और घरेलू उद्योग पर प्रभाव

क. माँग में वृद्धि

स्रोत: आईबीआईएस	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जाँच अवधि
घरेलू उद्योग	मी. टन	352.54	446.98	502.82	511.64
अन्य उत्पादक	मी. टन	177.00	127.00	226.00	233.00
कुल आयात	मी. टन	29.35	51.00	51.83	110.79
कुल माँग	मी. टन	558.89	624.98	780.65	855.43
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	112	140	153

22. संबद्ध वस्तु की माँग का निर्धारण भारतीय उत्पादकों की घरेलू बिक्री और सभी देशों से हुए सभी आयातों को जोड़कर किया गया है। आंकड़ों, प्रवृत्ति से यह पता चलता है कि आधार वर्ष से जाँच अवधि तक संबद्ध वस्तु की माँग में वृद्धि होती रही थी। क्षति अवधि की तुलना में इसमें 53% की वृद्धि हुई। प्रसंगवश आईबीआईएस के आंकड़ों में चार अलग-अलग टैरिफ वर्गीकरणों अर्थात् 29224990, 20420031, 29419090, 29420011 के अंतर्गत संबद्ध वस्तु का आयात दर्शाया गया है।

ख. आयात की मात्रा और संबद्ध देश का हिस्सा

23. याचिकाकर्ताओं द्वारा आईबीआईएस से संबद्ध वस्तु के आयातों के सौदेवार ब्यौरे प्राप्त किए गए हैं और इन आंकड़ों को मात्रा संबंधी विश्लेषण करने के लिए सर्वाधिक उचित पाया गया है और इसका विवरण निम्नानुसार है :-

स्रोत: आईबीआईएस	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जाँच अवधि (जन. - दिस. 06)
चीन जन. गण.	मी. टन	29.35	51.00	51.80	110.79
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	174	176	377
अन्य देश	मी. टन	0	0	0.31	0
कुल	मी. टन	29.35	51.00	52.11	110.79
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	174	178	377
आयात में बाजार हिस्सा					
चीन जन. गण.	%	100	100	99.41	100
अन्य देश	%	0	0	0.59	0
कुल	%	100	100	100	100
कुल माँग	मी. टन	558.89	624.98	780.65	855.43
घरेलू उद्योग की कुल बिक्री	मी. टन	352.54	446.98	502.82	511.64
घरेलू उद्योग की कुल बिक्री के प्रतिशत के रूप में संबद्ध देश से आयात	%	8.32	11.40	10.30	21.65
माँग में बाजार हिस्सा					
चीन से आयात	%	5.25	8.16	6.64	12.95
घरेलू उद्योग	%	63.08	71.52	64.41	59.81

24. प्राधिकारी नोट करते हैं कि :

क. चीन से आयातों में समग्र रूप में वृद्धि हुई है। आधार वर्ष की तुलना में जाँच अवधि के दौरान इन आयातों में तीन गुणे से अधिक वृद्धि हुई है। यह भी पाया गया है कि जाँच अवधि में आयातों में पर्याप्त वृद्धि हुई है।

ख. आयातों में समग्र रूप में वृद्धि होने से घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से के संबंध में आयातों में वृद्धि हुई है।

ग. घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन और क्षमता उपयोग

	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जाँच अवधि
संयंत्र की क्षमता	मी. टन	1032	1300	1368	1428
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	126	133	138

संयंत्र का उत्पादन	मी. टन	749	835	1134	1185
➤ प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	112	151	158
संयंत्र का क्षमता उपयोग (%)	%	72.54	64.22	82.88	83.02
➤ प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	89	114	114
कुल उत्पादन	मी. टन	483	645	847	886
➤ प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	133	175	183

25. क्षमता, उत्पादन और क्षमता उपयोग से संबंधित घरेलू उद्योग के आंकड़ों से यह पता चलता है कि वर्ष 2003-04 में घरेलू उद्योग की क्षमता 1032 मी. टन की थी जो जाँच अवधि में संभवतः माँग में वृद्धि होने की आशा से बढ़कर 1428 मी. टन हो गई है। वर्ष 2003-04 के दौरान संबद्ध वस्तु का उत्पादन 483 मी. टन का हुआ था और संभवतः माँग में वृद्धि के मद्देनजर उसमें सतत वृद्धि हुई है। प्रवृत्ति से यह पता चलता है कि आधार वर्ष की तुलना में जाँच अवधि के दौरान उत्पादन में 83% की वृद्धि हुई।

घ. घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा

	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जाँच अवधि
घरेलू उद्योग	मी. टन	353	447	503	512
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	127	143	145

26. बिक्री संबंधी आंकड़ों से यह पता चलता है कि वर्ष 2003-04 के दौरान घरेलू उद्योग ने संबद्ध वस्तु के 353 मी. टन की बिक्री की और यह जाँच अवधि के दौरान बढ़कर 512 मी. टन हो गई। आधार वर्ष की तुलना में जाँच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री में 45% की वृद्धि हुई है। आगे यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की बिक्री में उक्त वृद्धि खासकर जाँच अवधि में देश में उत्पाद की माँग में हुई वृद्धि से कम रही है। इस प्रकार, जहाँ वर्ष 2005-06 और जाँच अवधि के बीच माँग में लगभग 10% की वृद्धि हुई, वहीं इस अवधि की तुलना में घरेलू उद्योग की बिक्री में केवल लगभग 1.8% की वृद्धि हुई।

ड. माँग एवं बाजार हिस्सा

स्रोत: आईबीआईएस	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जाँच अवधि
घरेलू उद्योग	मी. टन	352.54	446.98	502.82	511.64
अन्य उत्पादक	मी. टन	177.00	127.00	226.00	233.00
कुल आयात	मी. टन	29.35	51.00	51.83	110.79
कुल माँग	मी. टन	558.89	624.98	780.65	855.43
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	112	140	153
माँग में बाजार हिस्सा					
घरेलू उद्योग	%	63.08	71.52	64.41	59.81
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	113	102	95

अन्य उत्पादक	%	31.67	20.32	28.95	27.24
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	64	91	86
संबद्ध देश	%	5.25	8.16	6.64	12.95
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	155	126	247
अन्य देशों से आयात	%	-	-	0.04	-

27. संबद्ध वस्तु की माँग में सकारात्मक प्रवृत्ति प्रदर्शित होती है। आधार वर्ष की तुलना में जाँच अवधि के दौरान इसमें 53% की वृद्धि हुई। प्रवृत्ति से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग का हिस्सा जो वर्ष 2003-04 में 63% था, उसमें 2004-05 में वृद्धि हुई और तत्पश्चात् 2005-06 में सतत गिरावट आई और अंततः जाँच अवधि के दौरान यह घटकर 60% हो गया। इसी अवधि के दौरान संबद्ध देश का हिस्सा जो वर्ष 2003-04 में 5.25% था, जाँच अवधि के दौरान बढ़कर 13% हो गया।

घ. घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

28. संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमत पर प्रभाव की जाँच कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री, कीमत ह्रास और कीमत न्यूनीकरण, यदि कोई हो, के संदर्भ में की गई है। इस विश्लेषण के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत, निवल बिक्री प्राप्ति (एनएसआर) और क्षति रहित कीमत (एनआईपी) की तुलना संबद्ध देशों से आयातों की पहुँच लागत के साथ की गई है। घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति का निर्धारण करने में घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तावित रिबेट, छूट और कमीशन तथा संदत्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क पर रिबेट प्रदान की गई है। इसके अलावा, तीनों या याचिकाकर्ता विनिर्माताओं में से प्रत्येक की एनएसआर को ध्यान में रखते हुए भारत औसत आधार पर एनएसआर निकाली गई है।

	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जाँच अवधि
निर्यात कीमत	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	114	172	133
आयात का पहुँच मूल्य	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	110	158	119
बिक्री की लागत	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	92	103	101
बिक्री कीमत	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	98	121	119

29. बिक्री कीमत की प्रवृत्ति से यह पता चलता है कि इसमें 2004-05 में 2% की गिरावट आई और तत्पश्चात आधार वर्ष की तुलना में 2005-06 में 21% की वृद्धि हुई है, लेकिन इसमें पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जाँच अवधि के दौरान पुनः 2% की गिरावट आई। इसी अवधि के दौरान, 2004-05 में उत्पादन लागत में 5% की गिरावट आई और तत्पश्चात 2005-06 में 15% की वृद्धि हुई तथा आधार वर्ष की तुलना में जाँच अवधि में 10% की वृद्धि हुई।

छ. विचाराधीन अवधि की तुलना में कीमत का मूल्यांकन

30. कीमत संबंधी आंकड़ों से पता चलता है कि वर्ष 2005-06 में चीन की कीमत में 57% की वृद्धि हुई। तथापि, पूर्ववर्ती वर्ष 2005-06 के दौरान उच्चतम कीमत की तुलना में उसके बाद जाँच अवधि में इसमें लगभग 24% की तीव्र गिरावट आई।

छ.1 कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री संबंधी प्रभाव

31. यह पाया गया है कि आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में पर्याप्त कटौती हो रही थी। इसके प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को संभवतः क्षतिरहित कीमत से पर्याप्त कम कीमत पर उत्पाद बेचने के लिए बाध्य किया गया था जैसा कि उनके द्वारा दावा किया गया है और जैसी कि आंकड़ों के विश्लेषण द्वारा पुष्टि की गई है।

छ.1.1 जाँच अवधि के दौरान कीमत कटौती संबंधी तालिका

इकाई	रु./कि.ग्रा.
बिक्री कीमत	***
आयात का पहुँच मूल्य	***
कीमत कटौती	***
%	***

32. कीमत कटौती का निर्धारण समूची जाँच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से पाटित आयातों के पहुँच मूल्य की उसी अवधि के लिए घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति के साथ तुलना द्वारा किया गया है। इस प्रयोजनार्थ आयातों के पहुँच मूल्य की गणना 1% हैंडलिंग प्रभार तथा लागू सीमाशुल्क को डीजीसीआई एंड एस के आंकड़ों, आईबीआईएस के आंकड़ों और संबद्ध देशों से आयात कीमतों के बारे में सहयोगी निर्यातक द्वारा अलग-अलग प्रदत्त आंकड़ों में सूचित मूल्य में जोड़कर की गई है। जाँच अवधि के दौरान चीन जन. गण. से कीमत कटौती 31-39% के बीच रही थी।

33. कम कीमत पर बिक्री के निर्धारण के प्रयोजनार्थ संबद्ध देशों से आयातों की पहुँच कीमत की तुलना जाँच अवधि के लिए निर्धारित घरेलू उद्योग की क्षतिरहित कीमत के साथ की गई है। यह पता चलता है कि कम कीमत पर बिक्री निम्नलिखित तालिका के अनुसार 32-40% के बीच रही थी।

इकाई	रु./कि.ग्रा.	रु./कि.ग्रा.
क्षतिरहित कीमत	***	***
आयात का पहुँच मूल्य	***	***
कम कीमत पर बिक्री	***	***

छ.2 पाटित आयातों का कीमत हासकारी तथा न्यूनकारी प्रभाव

34. पाटित आयातों के कीमत हासकारी प्रभाव की जाँच भी उत्पादन लागत, निवल बिक्री प्राप्ति और संबद्ध देशों से पहुँच मूल्य के संदर्भ में की गई है।

35. क्षति अवधि की तुलना में आयात कीमतों की प्रवृत्ति के विश्लेषण से यह पता चलता है कि वर्ष 2003-04 और 2005-06 के बीच उत्पादन लागत, बिक्री कीमत के अनुसार घटती-बढ़ती रही है। तथापि, जाँच अवधि में यह प्रवृत्ति बदल गई जब उत्पादन लागत में वृद्धि हुई और बिक्री कीमत में गिरावट आई। पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जाँच अवधि के दौरान आयातों की पहुँच कीमत में भी गिरावट आई। इस प्रकार यह नोट किया जाता है कि आयातों का बाजार में कीमतों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

ज. क्षति संबंधी अन्य मापदण्डों की जाँच

36. घरेलू उद्योग की मात्रा और कीमत पर पाटित आयातों के प्रभाव तथा आयातों की मात्रा एवं मूल्य, घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग तथा बिक्री के साथ-साथ पूर्ववर्ती भाग में अन्य खण्डों के बाजार हिस्सों के साथ माँग की पद्धति जैसे प्रमुख क्षति संबंधी संकेतकों की जाँच करने के बाद ऐसे अन्य आर्थिक मापदण्डों, जिनसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति की मौजूदगी का पता चलता है, का भी निम्नानुसार विश्लेषण किया गया है :

11

ज.1 लाभ एवं नकद प्रवाह पर वास्तविक एवं संभावित प्रभाव

	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जाँच अवधि
बिक्री की लागत	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	105	115	110
बिक्री कीमत	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	98	121	119
लाभ/हानि	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-100	-231	+22	+75
कर पूर्व लाभ/हानि	रु./लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-100	-293	32	109
पीबीआईटी	रु./लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-100	-664	441	642
नकद लाभ	रु./लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-100	-74	270	342

37. आंकड़ों से यह पता चलता है कि आधार वर्ष की तुलना में जाँच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री में 10% की वृद्धि हुई जबकि इसी अवधि के दौरान बिक्री कीमत में 19% की वृद्धि हुई। प्रति इकाई लाभ जो आधार वर्ष तथा 2004-05 में नकारात्मक था, जिसके परिणामस्वरूप वर्ष 2005-06 के दौरान 22% (सूचीबद्ध) लाभ हुआ और जो जाँच अवधि के दौरान यह 75% (सूचीबद्ध) हो गया। घरेलू बिक्री पर घरेलू उद्योग के लाभ (पीबीआईटी) में भी यही प्रवृत्ति दिखाई दी। इस प्रकार, यह देखा जाता है कि वर्ष 2005-06 और जाँच अवधि में घरेलू उद्योग की स्थिति में सुधार हो रहा था, जिसकी वजह प्रति इकाई बिक्री कीमत में वृद्धि हो सकती है।

ज.2 निवेश पर आय और पूँजी जुटाने की क्षमता

	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जाँच अवधि
पीबीआईटी	रु./लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-100	-664	441	642
लगाई गई पूँजी-एनएफए	रु./लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	146	157	128
लगाई गई पूँजी पर प्राप्ति- (एनएफए आधार पर)	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-100	-4548	+282	+413

38. लगाई गई पूँजी से संबंधित आंकड़ों से यह पता चलता है कि इसमें वर्ष 2004-05 में 46%, 2005-06 में 57% और आधार वर्ष की तुलना में जाँच अवधि के दौरान 28% की वृद्धि हुई। लगाई गई पूँजी पर आय आधार वर्ष तथा 2004-05 में नकारात्मक रही थी; 2005-06 में सकारात्मक 282% रही और जाँच अवधि के दौरान घटकर 413% हो गई। इस प्रकार, यह देखा जाता है कि वर्ष 2005-06 में और जाँच अवधि में घरेलू उद्योग की स्थिति में पर्याप्त सुधार हो रहा था।

ज.3 उत्पादकता

39. प्रति कर्मचारी उत्पादन से संबंधित आंकड़ों से यह पता चलता है कि आधार वर्ष की तुलना में जाँच अवधि के दौरान उत्पादकता में 75% की वृद्धि हुई।

ज.3.1 रोजगार, उत्पादकता एवं मजदूरी

	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जाँच अवधि
रोजगार (कर्मचारियों की सं.)	सं.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	107	107	105
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	कि.ग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	124	164	175
मजदूरी	रु./लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	109	123	150

40. रोजगार के स्तर में कोई खास परिवर्तन प्रदर्शित नहीं होता है। सूचीबद्ध रूप में यह आधार वर्ष की तुलना में जाँच अवधि के दौरान बढ़कर 105% हो गया।

ज.4 मालसूचियाँ

	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जाँच अवधि
औसत स्टॉक	कि.ग्रा.	***	***	9084	3210
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	149	107	38

41. आँकड़ों से यह पता चलता है कि जाँच अवधि के दौरान औसत मालसूची आधार वर्ष के 100 से घटकर 38 हो गई। वर्ष 2003-04 में स्टॉक पाँच दिन की बिक्री के समतुल्य था और यह जाँच अवधि के दौरान घटकर एक दिन के समतुल्य हो गया।

ज.5 वृद्धि

42. माँग में वृद्धि से आधार वर्ष से लेकर जाँच अवधि तक वर्ष-दर-वर्ष आधार पर सकारात्मक प्रवृत्ति प्रदर्शित होती है। समूची जाँच अवधि के दौरान उत्पादन एवं बिक्री में वृद्धि भी सकारात्मक प्रदर्शित होती है। उत्पादन लागत तथा बिक्री कीमत में 2004-05 में गिरावट आई और तत्पश्चात् 2005-06 तथा जाँच अवधि में वृद्धि हुई। लाभ की वृद्धि में 2005-06 तक सकारात्मक प्रवृत्ति और जाँच अवधि में गिरावट की प्रवृत्ति प्रदर्शित हुई।

ज.6 निवेश

43. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने माँग में वृद्धि के मद्देनजर और सम्बद्ध देश से पाटित आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के परिणामस्वरूप बिक्री में वृद्धि होने की प्रत्याशा में आधार वर्ष से लेकर जाँच अवधि तक संबद्ध वस्तु की क्षमता में वृद्धि की है।

ज.7 पाटन की मात्रा

44. पाटन की मात्रा उस सीमा का एक संकेतक है जिस सीमा तक पाटित आयातों द्वारा घरेलू उद्योग को क्षति पहुँच सकती है। इससे यह पता चलता है कि नामजद संबद्ध देशों के खिलाफ निर्धारित पाटन मार्जिन जाँच अवधि के लिए काफी अधिक रहा है।

ज.8 कीमत को प्रभावित करने वाले अन्य कारक

45. लागत संरचना में परिवर्तन, यदि कोई हो, घरेलू उद्योग में प्रतिस्पर्धा और प्रतिस्पर्धी स्थानापन्न की कीमत की जाँच उन कारकों का विश्लेषण करने के लिए की गई है जिनसे घरेलू बाजार में कीमतों पर प्रभाव पड़ सकता है। जाँच अवधि के दौरान उत्पादन लागत में 10% की वृद्धि हुई है। इसी अवधि के दौरान निवल बिक्री कीमत में 19% की वृद्धि हुई। प्राधिकारी नोट करते हैं

कि संबद्ध देशों से आयातित सामग्री का पहुँच मूल्य घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से काफी कम है जिससे घरेलू बाजार में कीमत कटौती हो रही है। जाँच अवधि के दौरान कीमत कटौती 31-35% के बीच रही थी और जाँच अवधि के दौरान कम कीमत पर बिक्री 32-37% के बीच रही थी।

च.9 क्षति संबंधी मापदण्डों के बारे में निष्कर्ष

46. उपर्युक्त क्षति संबंधी मापदण्डों की जाँच से यह पता चलता है कि आधार वर्ष की तुलना में जाँच अवधि के दौरान माँग में 53% की वृद्धि हुई थी। आधार वर्ष की तुलना में जाँच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के उत्पादन में 58% की वृद्धि हुई। तथापि, आधार वर्ष की तुलना में जाँच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री में केवल 45% की वृद्धि हुई। इसी अवधि के दौरान, संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों में पर्याप्त वृद्धि हुई जो वर्ष 2003-04 में 29.35 मी. टन से बढ़कर जाँच अवधि के दौरान 110.79 मी. टन के हो गए अर्थात् इनमें 277% की वृद्धि हुई। माँग के संबंध में संबद्ध देशों से आयातों का हिस्सा वर्ष 2003-04 में 5.25% से बढ़कर जाँच अवधि के दौरान 12.95% हो गया, जबकि इसी अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की माँग में हिस्सा 63.08% से घटकर 59.81% हो गया। लाभप्रदता वर्ष 2005-06 में सकारात्मक बन गई किन्तु जाँच अवधि में उसमें गिरावट आई। लाभ (पीबीआईटी) तथा लगाई गई निवल पूँजी पर आय के मामले में ऐसी ही प्रवृत्ति दिखाई देती है।

47. प्राधिकारी नोट करते हैं कि विचाराधीन उत्पाद पर 7.2.2002 को 3.06 अम. डा. प्रति कि.ग्रा. का निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाया गया था और यह 6.2.2007 तक बना रहा। घरेलू उद्योग इस तारीख से आगे शुल्क की अवधि को बढ़ाना नहीं चाहता था क्योंकि निर्णायक समीक्षा हेतु कोई आवेदन दायर नहीं किया गया था अतः पाटनरोधी शुल्क 6.2.2007 को समाप्त हो गया। वर्तमान मामले में जाँच अवधि जनवरी, 2006 से दिसम्बर, 2006 तक की है और इसलिए कीमत, लाभ, बिक्री प्राप्ति आदि के सभी मापदण्डों में उक्त पाटनरोधी शुल्क का प्रभाव देखा जाता है और घरेलू उद्योग द्वारा की गई प्रगति को क्षति निर्धारण हेतु एक कमजोर कारणात्मक संबंध के रूप में नहीं माना जा सकता है।

48. प्राधिकारी अनंतिम रूप से यह निष्कर्ष निकालते हैं कि आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में पर्याप्त कटौती हो रही थी। परिणामतः वर्ष 2003-04 और 2005-06 के बीच लाभ, नकद लाभ, निवेश पर आय के संबंध में घरेलू उद्योग के निष्पादन में सुधार हुआ परन्तु उसके बाद जाँच अवधि में उसमें गिरावट आ गई। इसके अलावा, यद्यपि बिक्री मात्रा के संबंध में निष्पादन में सुधार हुआ तथापि, पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जाँच अवधि में बिक्री मात्रा में वृद्धि नकारात्मक रही थी क्योंकि इस अवधि में आयातों में पर्याप्त वृद्धि हुई थी। घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में वर्ष 2004-05 तक सुधार हुआ और तत्पश्चात् उसमें अत्यधिक गिरावट आई। यद्यपि वर्ष 2005-06 में बाजार हिस्से में गिरावट अन्य भारतीय उत्पादकों के कारण आई थी तथापि, जाँच अवधि में और अधिक सीमा तक आई गिरावट जाँच अवधि में चीन के पाटित आयातों के कारण रही थी। यह भी पाया गया है कि आयातों की पहुँच कीमत घरेलू उद्योग की प्रत्यक्ष उत्पादन लागत से कम है और इस प्रकार चीन के आयातों की पाटित कीमतों पर अनुमति दिए जाने की स्थिति में अत्यधिक

प्रतिकूल प्रभाव का पता चलता है। इस प्रकार, अनंतिम रूप से यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

झ.6 अन्य ज्ञात कारक तथा कारणात्मक संबंध

49. पूर्वोक्त विश्लेषण से यह पता चलता है कि संबद्ध देशों से पाटित आयातों की मात्रा में समग्र रूप में और माँग में हिस्से के संबंध में पर्याप्त वृद्धि हुई है। माँग में अच्छी वृद्धि के बावजूद संबद्ध देशों से आयातों में हुई पर्याप्त वृद्धि के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग ने बाजार हिस्सा गँवाया। चीन से पाटित आयातों के पहुँच मूल्य से भी अत्यधिक कीमत कटौती तथा घरेलू उद्योग की कीमत पर ह्रासकारी प्रभाव का पता चलता है जिससे घरेलू उद्योग अपनी कीमतों को आयातों के अनुरूप लाने के लिए बाध्य हुआ। इससे संबद्ध वस्तु के पाटन तथा घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध की पुष्टि होती है।

50. प्राधिकारी ने कारणात्मक संबंध के मुद्दों और नियमों में यथानिर्धारित अन्य आरोप से इतर कारकों की भी जाँच की है ताकि अन्य कारकों द्वारा हुई क्षति, यदि कोई हो को अलग किया जा सके। इस संबंध में नियमों में यथानिर्धारित निम्नलिखित सांकेतिक कारकों की जाँच की गई है।

झ.1 अन्य स्रोतों से हुए आयातों की मात्रा और कीमत

51. प्राधिकारी नोट करते हैं कि किसी अन्य देश से कोई आयात नहीं हुआ है। अतः क्षति अन्य देशों से हुए आयातों द्वारा हुई नहीं मानी जा सकती है।

झ.2 माँग में कमी और/अथवा खपत की पद्धति में परिवर्तन

52. संबद्ध वस्तु में क्षति अवधि के दौरान सकारात्मक वृद्धि प्रदर्शित हुई है। माँग में कमी क्षति पहुँचाने का कारण नहीं हो सकती है। घरेलू बाजार में उत्पाद की खपत पद्धति में भी ऐसा कोई खास परिवर्तन नहीं हुआ है जिसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण माना जा सकता है।

झ.3 विदेशी और घरेलू उत्पादकों के व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार और उनके बीच प्रतिस्पर्धा

53. प्राधिकारी नोट करते हैं कि उद्योग में प्रचलित ऐसा कोई प्रतिबंधात्मक व्यवहार नहीं है जिसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण माना जा सकता है।

झ.4 प्रौद्योगिकी विकास

54. प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पाद के उत्पादन हेतु प्रौद्योगिकी में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। अतः किसी अन्य प्रौद्योगिकी के विकास को घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण माना जा सकता है।

झ.5 निर्यात निष्पादन

55. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जाँच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की निर्यात मात्रा में गिरावट आई है। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया है कि निर्यात मात्रा में यह गिरावट चीन के उत्पादकों द्वारा अन्य बाजार में भी पाटन किए जाने के कारण आई है, जिन बाजारों में चीन के उत्पादक न केवल भारतीय उत्पादकों से अपितु आपस में भी प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। तथापि, प्राधिकारी ने केवल घरेलू प्रचालनों पर विचार किया है और इसलिए निर्यातों में गिरावट के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति, यदि कोई हो, का कारण संबद्ध देश से हुए पाटित आयातों को नहीं माना गया है।

झ.6 घरेलू उद्योग की उत्पादकता

56. घरेलू उद्योग की उत्पादकता में वृद्धि हुई है जो उत्पादन में वृद्धि का परिणाम है। अतः यह नहीं कहा जा सकता कि घरेलू उद्योग को क्षति उत्पादन में गिरावट के कारण हुई है।

57. प्राधिकारी की जानकारी में ऐसा कोई अन्य कारक नहीं लाया गया है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति होने की संभावना हो सकती है।

58. उपर्युक्त जाँच के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि संबद्ध देशों से निर्यातित संबद्ध वस्तु की कीमत उसके सामान्य मूल्य, घरेलू उद्योग की क्षतिरहित कीमत तथा आवेदकों की संबद्ध वस्तु की निवल बिक्री प्राप्ति से कम है और उससे घरेलू उद्योग को क्षति पहुँची है जिससे संबद्ध वस्तु के पाटन और घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध का पता चलता है।

अ. क्षति मार्जिन की मात्रा

59. संबद्ध देश के सहयोगी निर्यातक द्वारा प्रदत्त सूचना के आधार पर यह देखा जाता है कि उनके निर्यात की मात्रा संबद्ध देश से कुल आयातों के 83% से अधिक बनती है (आईबीआईएस स्रोत से कुल आयात क्योंकि डीजीसीआईएस स्रोत ने सहयोगी निर्यातक द्वारा किए गए निर्यातों से कम निर्यात की सूचना दी है)। अतः प्राधिकारी द्वारा निर्धारित क्षतिरहित कीमत की तुलना उक्त निर्यातक के लिए क्षति मार्जिन के निर्धारण हेतु सहयोगी निर्यातक के औसत पहुँच मूल्य के साथ की गई है। संबद्ध देश के अन्य सभी निर्यातकों के लिए सहयोगी निर्यातक द्वारा निर्यातित न्यूनतम कीमत वाली खेप के संबंध में पहुँच कीमत क्षति मार्जिन के निर्धारण के प्रयोजनार्थ हिसाब में ली गई है। इस प्रकार से परिकलित क्षति मार्जिन निम्नलिखित तालिका में दिया गया है।

अ.1 क्षति मार्जिन संबंधी गणनाएं

कम्पनी का नाम	क्षति मार्जिन (अम. डालर/कि.ग्रा.)	क्षति मार्जिन (भा. रु./कि.ग्रा.)
तेजिंग यांगकी कैमिकल इंड कं. लि. कम्पनी	***	***
चीन जन. गण. के अन्य सभी निर्यातक	***	***

ट. निष्कर्ष

60. पूर्वोक्त पर विचार करने के बाद प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि :

- (क) संबद्ध देशों से भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यात उसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है;
- (ख) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है;
- (ग) यह क्षति संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण हुई है।

ठ. भारतीय उद्योग का हित एवं अन्य मुद्दे

61. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य सामान्यतः पाटन के अनुचित व्यापार व्यवहार द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली एवं उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति बहाल की जा सके, जो कि देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से सम्बद्ध देशों से आयात किसी भी रूप में प्रतिबंधित नहीं होंगे और इसलिए उपभोक्ताओं को उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।

ड. सिफारिशें

62. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जाँच की शुरुआत कर उसकी सूचना सभी हितबद्ध पार्टियों को प्रदान की गई थी और निर्यातकों, आयातकों तथा अन्य हितबद्ध पार्टियों को पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंध के बारे में सूचना उपलब्ध कराने के लिए पर्याप्त समय प्रदान किया गया था। निर्धारित नियमों के अनुसार पाटन, क्षति तथा पाटन एवं घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध की प्रारंभिक जाँच शुरू कर उसे सम्पन्न करने के बाद और संबद्ध देशों के खिलाफ सकारात्मक पाटन मार्जिन एवं ऐसे पाटित आयातों से घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति की अनंतिम रूप से पुष्टि करने के बाद प्राधिकारी का यह विचार है कि जाँच पूरी होने तक पाटन एवं क्षति को समाप्त करने के लिए अनंतिम शुल्क लगाया जाना अपेक्षित है।

63. अतः प्राधिकारी इसे आवश्यक मानते हुए संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों पर नीचे निर्धारित प्रपत्र और ढंग से अनंतिम पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश करते हैं।

64. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन, जो भी कम हो, के बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त की जा सके। तदनुसार, संबद्ध देशों के मूल की या वहाँ से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से निम्नलिखित तालिका के कॉलम 8 में उल्लिखित राशि के बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश की जाती है।

शुल्क तालिका

क्र. सं.	टैरिफ शीर्ष	वस्तुओं का विवरण	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क राशि	इकाई	मुद्रा
1.	2942 या 2922, या 2941	डायक्लोफेनैक सोडियम	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	तेजीन यांगकी कैमिकल इंडस्ट्री कं. लि.	तेजीन यांगकी कैमिकल इंडस्ट्री कं. लि.	100	प्रति कि.ग्रा.	भारतीय रुपए
2.	2942 या 2922, या 2941	डायक्लोफेनैक सोडियम	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	तेजीन यांगकी कैमिकल इंडस्ट्री कं. लि.	कोई	100	प्रति कि.ग्रा.	भारतीय रुपए
3.	2942 या 2922, या 2941	डायक्लोफेनैक सोडियम	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	तेजीन यांगकी कैमिकल इंडस्ट्री कं. लि. से भिन्न कोई		135	प्रति कि.ग्रा.	भारतीय रुपए
4.	2942 या 2922, या 2941	डायक्लोफेनैक सोडियम	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	कोई		135	प्रति कि.ग्रा.	भारतीय रुपए

द. आगे की प्रक्रिया

65. प्रारंभिक जाँच परिणाम अधिसूचित करने के बाद निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई जाएगी :-

- (क) प्राधिकारी इन जाँच परिणामों पर सभी हितबद्ध पार्टियों से टिप्पणियाँ आमंत्रित करेंगे और उन पर अंतिम जाँच परिणाम में विचार किया जाएगा;
- (ख) निर्यातकों, आयातकों, आवेदकों और संबंधित समझी जाने वाली अन्य हितबद्ध पार्टियों को प्राधिकारी द्वारा अलग से लिखा जा रहा है जो पत्र के प्रेषण की तारीख से चालीस दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकते हैं। अन्य हितबद्ध पार्टी भी इन जाँच परिणामों के प्रकाशन की तारीख से चालीस दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकती है;
- (ग) प्राधिकारी आवश्यक समझी गई सीमा तक आगे सत्यापन करेंगे;
- (घ) प्राधिकारी द्वारा अंतिम जाँच परिणाम की घोषणा किए जाने से पूर्व आवश्यक तथ्यों का प्रकटन किया जाएगा।

आर. गोपालन, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 28th January, 2008

Preliminary Findings

Subject : Anti-dumping investigations involving imports of Diclofenac Sodium originating in or exported from China.

No. 14/4/2007-DGAD.— Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, (hereinafter referred to as the Rules) thereof:

A. PROCEDURE

2. The procedure described below has been followed:

a. The Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority), under the above Rules, received a written petition from M/s. Kairav Chemicals Limited, M/s. Amoli Organics Limited & M/s. Aarti Drugs Limited on behalf of the Domestic Industry, alleging dumping of Diclofenac Sodium (herein after referred to as subject goods), originating in or exported from China (hereinafter referred to as subject countries) and requested for initiation of Anti Dumping investigations for levy of anti dumping duties on the subject goods.

b. The Authority notified the Embassy of China about the receipt of dumping application made by the petitioner before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub rule (5) of Rule 5 supra;

c. The Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the applicant on behalf of the domestic industry, issued a public notice dated 4th June 2007 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating Anti-Dumping investigations concerning imports of the Diclofenac Sodium, originating in or exported from China in accordance with the sub-Rule 6(1) of the Rules to determine the existence, degree and effect of alleged dumping and to recommend the amount of antidumping duty, which, if levied, would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

d. The Designated Authority sent copies of initiation notification dated 4th June 2007 to the Embassy of China in India, known exporters from the subject countries, importers, consumers and the domestic industry as per the addresses made available by the applicant and requested them to make their views known in writing within 40 days of the initiation notification.

e. The Authority provided copies of the non-confidential version of the application to the known exporters and to the Embassy of China in accordance with Rule 6 (3) supra.

f. The Embassy of China in India was informed about the initiation of the investigation in accordance with Rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from China to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter and questionnaire sent to the exporters were also sent to them, along with the names and addresses of the exporters.

g. The Authority sent questionnaires, to elicit relevant information to the following known exporters in subject countries in accordance with Rule 6(4).

1. Shandong Yibao Biologics Co., Ltd
Xinglong Industrial Garden,
Xinglongzhuang Town
Yanzhou City, Shandong Province. China
2. Comfortcomms Group Co. Limited
26d, DushiHuayuan, Xinzhou Road,
Futian Dist., Shenzhen, Guangdong, China
3. Gbb Group Co., Ltd.
Development Zone, Binzhou
Shandong, China
4. Hebei Jiheng(Group) Pharmaceutical Co., Ltd.
368 Jianshe Street Hengshui City Hebei , China,
5. Hebei Veyong Animal Pharmaceutical Co., Ltd.
383 East Heping Road. Shijiazhuang City,
Hebei Province. China
6. Medico (Shijiazhuang) Industries & Trade Co., Ltd.
Room 7G, Block A, City Garden, 159 Xinhua Road,
Shijiazhuang City,
Hebei Province. China
7. Shandong Reyoung Pharmaceutical Co., Ltd.
6 Erlangshan Road, Yiyuan County,
Shandong Province. China
8. Shandong Yibao Biologics Co., Ltd.
Xinglong Industrial Garden,
Xinglongzhuang Town, Yanzhou City, Shandong Province. China

9. Shanxi Haizheng Scientific Tech. and Trade Co., Ltd
6/F, Building 1, 17 Liu Lane, Yingze
District, Taiyuan City, Shanxi Province.
China
10. Skyrun International Group Sunshine Corporation
50 Zhonghua Road, Nanjing, Jiangsu,
China
11. The TNN Development Limited
Room 2901, Rainbow Building, 23 Renmin Road,
Zhongshan District, Dalian City, Liaoning Province.
China
12. Wuhan Lihua International Trade Corporation
1205B Jiuyun Garden, 34 Jiangnan North Road,
Wuhan City, Hubei Province.
China
13. Shenzhen Zhijun Pharmaceutical Co., Ltd
Add: Block 5, Bagualing Industrial District
Shenzhen,
P.R. China

h. However, questionnaire response has been received from only one exporter, M/s. Tangyin Yongqi Chemical Industry Co. Ltd. Questionnaire response was also received from M/S Henan Dongtai Pharma Co. Ltd. which is stated to be under common control with Tangyin Yongqi by the same shareholder. To that extent both these responses have been received from the two related companies.

i. Questionnaire was sent to the following known importers or consumers of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4). However, no questionnaire response has been received from any importer of the subject goods from the subject countries.

1. NATCO PHARMA LIMITED
NATCO HOUSE
Road No : 2, Banjara Hills
Hyderabad-500 033
Phone: +91-40-2354 7532
Fax: +91-40-2354 8243, +91-40- 2354 5298
E-mail: natinfo@natcopharma.co.in
2. UNIBIOS LABS LTD
5, C-6, Poonam Darshan Poonam Nagar,
Andheri (E)
Mumbai-400093,
Maharashtra, India

3. MARKSANS PHARMA LTD

Corporate Office
601-622, 6th Floor,
Chintamani Plaza, Mohan Studio Compound,
Andheri - Kurla Road, Andheri (East).
Mumbai - 400 099.
Tel: + 91 (22) 4001-20-00 (30 lines).
Fax: + 91 (22) 6702-10-04.
Email: info@marksanspharma.com
Web: www.marksanspharma.com

j. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties;

k. Optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India based on the information furnished by the applicant on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) was worked out so as to ascertain if Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to Domestic Industry;

l. Investigation was carried out for the period starting from 1st January 2006 to 31st December 2006 (POI). The examination of trends in the context of injury analysis covered the periods from April 2003-March 2004, April 2004-March 2005, April 2005-March 2006 and the Period of Investigation

m. *** in this Notification represents information furnished by the applicant on confidential basis, and so considered by the Authority under the Rules.

B. Product under Consideration

3. The product under consideration is 'Diclofenac Sodium'.

4. Diclofenac Sodium is an organic chemical. Diclofenac sodium is a non-steroidal anti-inflammatory drug (NSAID) taken to reduce inflammation and an analgesic reducing pain in conditions such as in arthritis or acute injury. Diclofenac Sodium is classified under Chapter 29 of Custom Tariff Act under the sub-heading 29420090 as others.

5. DFS is white or slightly yellowish crystalline powder, slightly hygroscopic in nature and sparingly soluble in water.

B.1 like Article

6. Diclofenac Sodium manufactured by the domestic industry is identical to the product under consideration, and this aspect has not been contested by the responding Chinese Exporter / Manufacturer and therefore is being treated as like article for the purpose of this Investigation.

C. Standing of the Domestic Industry and initiation of the investigation

7. The petition has been jointly filed by M/s. Kairav Chemicals Limited, M/s. Amoli Organics Limited & M/s. Aarti Drugs Limited. The petitioners are the major producers of the subject goods in the country. There is one more producer of the subject goods in the country, M/s. Meditech Chemicals Ltd., who has supported the petition. Petition satisfies the requirement of standing and the petitioners constitute "domestic industry" for the purpose of the present investigation.

D Other submissions and issues raised

8. The Authority notes that only one of the producers of the subject goods in China, M/s. Tangyin Yongqi Chemical Industry Co. Ltd. has responded to the Designated Authority. That apart, M/S Henan Dongtai Pharma Co. Ltd. which is stated to be under common control with M/s. Tangyin Yongqi Chemical Industry Co. Ltd by the same shareholder has also submitted a response. To that extent both these responses have been received from the two related Companies. Further in the questionnaire response it has been stated that Henan Dongtai does not have any export dealings with India although it is stated to be receiving the intermediate raw materials from M/s. Tangyin Yongqi Chemical Industry Co. Ltd and after manufacturing the product under consideration, is stated to sell in the domestic market as also export to other countries. The Authority further notes that the response from Henan Dongtai was received only after the Authority perused the questionnaire response of M/s. Tangyin Yongqi Chemical Industry Co. Ltd and found that Henan Dongtai was a separate legal entity and was related to the Tangyin Yongqi and the same was pointed out in a deficiency letter, sent to them. To that extent Authority concludes that the questionnaire response from M/S Henan Dongtai Pharma Co. Ltd. was not voluntary. Further, none of the consumers or importers in India has responded to the Designated Authority, nor has any party in the domestic circuit, other than the Domestic Industry, provided any information relevant to the present investigations.

D.1 Confidentiality

9. The Authority in this case has considered the data relating to customers' price and costing as confidential as the disclosure of the same may give the competitive advantage to the other interested parties. The data relating to volumes of domestic industry (all producers taken together) has not been treated as confidential.

E1. Normal Value for China PR

10. Response has been received from only one exporter, M/s. Tangyin Yongqi Chemical Industry Co. Ltd. and its related Company M/S Henan Dongtai Pharma Co. Ltd, and this related Company, though a separate legal entity, is stated not to be exporting to India but only to other parts of the world. The exporter has claimed normal value on the basis of sales made by them in the domestic market during the investigation period.

E.2. MARKET ECONOMY TREATMENT CLAIM, ANALYSIS AND FINDINGS

11. None of the Chinese exporters, except M/s. Tangyin Yongqi Chemical Industry Co. Ltd. have responded to the initiation notification. While perusing the response of the said exporter, it came to notice that M/s Henan Dongtai Pharma Co. Ltd, a related Company of M/S Tangyin Yongqi Chemical Industry Co. Ltd., but a separate legal entity and the said separate legal entity had not furnished a separate response. On being pointed out, M/s Henan Dongtai Pharma Co. Ltd. responded to the MET questionnaire. In their response they stated that

although they were manufacturers of the subject goods, they have not been exporting the same to India. In spite of various deficiencies pointed out to both the abovesaid producers, there are certain missing links in the response received from M/s. Tangyin Yongqi Chemical Industry Co. Ltd., and its related Company M/S Henan Dongtai Pharma Co. Ltd. which include investments, source of finance and other related details, which can be co-related with the market economy treatment claim made by the above said Chinese exporter only on physical verification. Therefore for the present, Normal value has been determined by considering the actual consumption of raw materials of the co-operating Chinese exporter as per data provided by the said co-operating exporter, which is however subject to subsequent verification, and on the basis of cost of production of the most efficient petitioner company, treating both these responding companies operating under Non- Market Economy conditions. Further In absence of any other response, the Authority has relied on the facts available as per Rule 6(8) of the Anti-dumping Rules to determine the normal value For Chinese exporters in general and Normal value for them has been determined on the basis of cost of production of the most efficient petitioner company. Considering the above parameters the normal value so determined works out to US\$ *** per K.G.

E.3 Export price

12. Export price has been determined by taking into account the claims made by the co-operating Chinese exporter M/s. Tangyin Yongqi Chemical Industry Co. Ltd Company, information received from DGCI&S and information received from Domestic Industry based upon IBIS data to the extent feasible. Price adjustments have been disclosed on account of ocean freight, inland freight, commission, and marine insurance, packing and bank charges for the purpose of preliminary determination. The net export price at ex-factory level after adjustments as above on a weighted average basis thus determined and accepted by the Authority for preliminary determination for cooperating Chinese exporter M/s. Tangyin Yongqi Chemical Industry Co. Ltd Company and for all other exporters from China is US\$ *** per K.G and US\$ *** per K.G respectively.

E.4: Dumping Margin

13. On the basis of normal values and net export prices at ex-factory level as determined above, the dumping margin during POI for all exporters are as per table below: -

Exporter/Producer from China	Normal Value- (US\$)	Export Price (US\$)	Dumping Margin (US\$)	Dumping Margin (INR)	Dumping Margin (%)
M/s. Tangyin Yongqi Chemical Industry Co. Ltd Company	***	***	***	***	25-30%
All other Exporters from China	***	***	***	***	35%-40%

14. The dumping margins so determined provisionally are significant and above de minimis.

F. METHODOLOGY FOR INJURY DETERMINATION AND EXAMINATION OF CAUSAL LINKS

F.1 Views of the domestic industry

15. The followings are the views of domestic industry: -

a. The product was earlier attracting anti dumping duties and therefore the improvement in performance of the domestic industry between the period 2003-04 to 2005-06 is on account of this imposition of anti dumping duties. The performance has however materially deteriorated in the investigation period.

b. Export price from the subject country has remained at dumped level during POI. Further, these prices have not increased proportionate to increase in input prices from base year period. The export price has, on the contrary, declined significantly in POI.

c. Production, sales volumes and capacity utilization of the domestic industry have shown improvements in response to increase in demand. However, growth in the investigation period was lower due to increase in the imports.

d. Profit/Loss (PBT, PBIT and PBDIT) of the domestic industry have all shown improvement till 2005-06 as a result of anti-dumping duty in force. However, the profit declined in the POI with significant increase in dumped volumes.

e. Market share of the domestic industry declined. This is due to the fact that dumped imports have captured significant market share in demand in India.

f. Imports from the subject country have been undercutting the prices of the domestic industry in the market to a significant degree.

g. Imports from the subject country have forced the domestic industry to reduce the price steeply between 2005-06 and the investigation period. Thus, the imports were suppressing the prices in this period.

h. Employment levels with the domestic industry have declined in the POI after showing an improvement in 2004-05.

i. Salary & wages: - There is normal increase in salary and wages.

j. Demand and market share:- Whereas the market shares of the imports have increased, that of the domestic industry has declined.

k. Growth: - Growth of the domestic industry in a number of parameters shows negative trend.

16. It is thus evident that the domestic industry has suffered material injury in spite of the fact that anti-dumping duty on this product was in force during the investigation period.

17. Threat of Material Injury - In addition to the material injury already being suffered by the domestic industry, imports from China are posing threat of material injury to the

domestic industry. There is significant increase in the import volumes in absolute term the moment anti dumping duty paid prices became comparable to the domestic industry prices. This increase in imports is in spite of best efforts of the domestic industry to sell their material even at sub-optimal prices. The increase in imports would have been more, had the domestic industry not made efforts to curtail the same by offering lower prices. The price undercutting is significant. A situation where the dumped imports are 31% cheaper and the product is such where consumers are competing with each other for the same market, with practically no difference either in the product under consideration or in the end product, the only possibility is the imports completely taking away the Indian demand to the extent the Chinese have unutilised capacities. The product is primarily produced in India and China. The Chinese producers have created huge capacities for the product.

F.2. Examination by the Authority

18. The Authority has taken note of various arguments raised by interested parties in their submissions.

19. Article 3.1 of the ADA and Annexure II of the AD Rules provide for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in the domestic market for the like products; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to the volume effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a significant increase in imports, either in absolute term or relative to production or consumption in India. With regard to the price effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been positive price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree, or prevent price increase, which would have otherwise occurred to a significant degree.

20. For the purpose of injury analysis the Authority has examined the effect of dumped imports of the subject goods on the domestic industry and its effect on production, capacity utilization, sales, prices and profitability, etc. to examine the existence of injury and causal links between the dumping and injury, if any.

21. Since positive dumping margins have been established for the exports from the subject country, therefore, entire exports from the subject country have been treated as dumped imports for the purpose of injury analysis and causal links examination.

F.2.1. VOLUME EFFECT OF DUMPED IMPORTS AND IMPACT ON DOMESTIC INDUSTRY:

A. Growth in Demand

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI
Domestic Industry	Mt	352.54	446.98	502.82	511.64
Other Producers	Mt	177.00	127.00	226.00	233.00
Total Import	Mt	29.35	51.00	51.83	110.79
Total Demand	Mt	558.89	624.98	780.65	855.43
Trend	Indexed	100	112	140	153

22. Demand of subject goods has been determined by addition of domestic sales of Indian producers and all imports from all countries. From the data, trend indicates that

demand for the subject goods had been growing from base year to POI. It grew by 53% over injury period. Incidentally the IBIS data shows imports of subject goods under four different Tariff classifications viz. 29224990, 29420031, 29419090, 29420011.

B. Import Volumes and share of subject country

23. The transaction wise details of imports of subject goods have been procured from IBIS by the petitioners this data has been found to be most appropriate for carrying out volume analysis and the same is detailed below.

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI(Jan-Dec'06)
China PR	MT	29.35	51.00	51.80	110.79
Trend	Indexed	100	174	176	377
Other Countries	MT	0	0	0.31	0
Total	MT	29.35	51.00	52.11	110.79
Trend	Indexed	100	174	178	377
Market Share in Imports					
China PR	%	100	100	99.41	100
Other Countries	%	0	0	0.59	0
Total	%	100	100	99	100
Total Demand	MT	558.89	624.98	780.65	855.43
Total Sale of DI	MT	352.54	446.98	502.82	511.64
Market share in demand					
➤ Imports from China	%	5.25	8.16	6.64	12.95
➤ Domestic industry	%	63.08	71.52	64.41	59.81

24. The Authority notes that

- the imports from China have increased in absolute terms. These imports have increased more than three times during POI compared to the base year. It is also found that the imports increased significantly in the investigation period.
- increase in imports in absolute terms has lead to increase in imports in relation to market share of the domestic industry.

C. Capacity, production and capacity utilization of the domestic industry

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI
Plant Capacity	Mt	1032	1300	1368	1428
➤ Trend	Indexed	100	126	133	138
Plant Production	Mt	749	835	1134	1185
➤ Trend	Indexed	100	112	151	158
Plant Capacity Utilization (%)	%	72.54	64.22	82.88	83.02
➤ Trend	Indexed	100	89	114	114
Production of		483	645	847	886

subject goods	Mt				
➤ Trend	Indexed	100	133	175	183

25. Data of domestic industry on capacity, production and capacity utilisation reveals that the capacity of the domestic industry as a whole for the group Diclofenac as a whole was 1032 MT during 2003-04, which increased to 1428 MT during POI, perhaps in anticipation of increase in demand. The production of subject goods was 483 MT during 2003-04 and has increased constantly, probably in view of rising demand. The trend indicates the production rose by 83% during POI compared to the base year.

D. Sales volume of Domestic Industry

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI
Domestic Industry	Mt	353	447	503	512
Trend	Indexed	100	127	143	145

26. The data on sales indicates that the domestic industry sold 353 MT of subject goods during 2003-04 and it increased to 512 MT during POI. The sale of domestic industry has increased by 45% during POI as compared to base year. It is further noted that the increase in sales of Domestic Industry is less than increase in demand of the product in the Country, particularly in investigation period. Thus, whereas demand grew by about 10% between 2005-06 and POI, sales of the domestic industry grew only by about 1.8% over this period.

E. Demand and Market Share

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI
Domestic Industry	Mt	352.54	446.98	502.82	511.64
Other Producers	Mt	177.00	127.00	226.00	233.00
Total Import	Mt	29.35	51.00	51.83	110.79
Total Demand	Mt	558.89	624.98	780.65	855.43
Trend	Indexed	100	112	140	153
Market share in demand					
Domestic Industry	%	63.08	71.52	64.41	59.81
Trend	Indexed	100	113	102	95
Other Producers	%	31.67	20.32	28.95	27.24
Trend	Indexed	100	64	91	86
Subject Countries	%	5.25	8.16	6.64	12.95
Trend	Indexed	100	155	126	247
Import from Other countries	%	-	-	0.04	-

27. The demand of subject goods shows positive trend. It grew by 53% during POI as compared to the base year. The trend indicates that the share of domestic industry which was at 63% in 2003-04 increased in 2004-05 and then declined steadily in 2005-06 and finally to 60% during POI. During the same period, the share of subject country that was 5% in 2003-04, rose to 13% during POI.

F. Factors affecting domestic prices

28. Impact on the prices of the domestic industry on account of the dumped imports from the subject country have been examined with reference to the price undercutting, price underselling, price suppression and price depression, if any. For the purpose of this analysis, the cost of production, Net Sales Realization (NSR) and the Non-injurious Price (NIP) of the Domestic industry have been compared with the landed cost of imports from the subject countries. In determining the net sales realization of the domestic industry, the rebates, discounts and commissions offered by the domestic industry and the central excise duty paid have been rebated. Further NSR has been worked out taking into account the NSR of each of the three petitioner manufacturers on a weighted average basis

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI
Export Price	Rs./Kg	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	114	172	133
Landed price of imports	Rs./Kg	236.19	259.26	372.56	281.98
Trend	Indexed	100	110	158	119
Cost of Sales	Rs./Kg	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	105	115	110
Selling Price	Rs./Kg	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	98	121	119

29. The trend of selling price indicates that it has declined by 2% in 2004-05, and then increased by 21% in 2005-06 as compared to base year, however, it again declined by 2% during POI as compared to previous year. During the same period, the cost of production had declined by 5% in 2004-05, and then increased by 15% in 2005-06 and 10% during POI as compared to base year 2003-04.

G. Evaluation of price over period under consideration

30. The data on prices reveals that prices from China increased by 57% in 2005-06. However, the same declined steeply thereafter by around 24% in POI as compared to peak price during previous year 2005-06.

G.1. Price undercutting and underselling effects

31. It is found that the imports were significantly undercutting the prices of the domestic industry in the market. As a direct consequence, the domestic industry was probably forced to sell the product at prices significantly below non injurious price as claimed by them and as is corroborated by the analysis of the data.

G.1.1. Price Undercutting Table During POI.

Unit	Rs./Kg
Selling Price	***
Landed price of imports	***
Price undercutting	***
%	***

32. Price undercutting has been determined by comparing the landed value of dumped imports from the subject countries over the entire period of investigation with the net sales realization of the domestic industry for the same period. For this purpose landed value of imports has been calculated by adding 1% handling / landing charges and applicable basic customs duty to the value reported in the DGCI&S data, IBIS data and data provided by the co-operating exporter of import prices from the subject countries separately. The price undercutting from China PR was in the range of 31-39% during POI.

33. For the purpose of price underselling determination the landed prices of imports from subject countries have been compared with the Non-injurious price of the domestic industry determined for the POI. It shows that underselling was in the range of 32-40% as per table detailed below.

Unit	Rs./Kg	Rs./Kg
	For cooperating exporter	For all other exporters
Non Injurious Price	***	***
Landed price of imports	***	***
Price underselling	***	***
Injury margin %	***	***

G.2 Price suppression and depression effects of the dumped imports:

34. The price suppression effect of the dumped imports has also been examined with reference to the cost of production, net sales realization and the landed values from the subject countries.

35. Analysis of the trend of import prices over the injury period shows that selling price moved in tandem with cost of production between 2003-04 and 2005-06. However, the trend got reversed in the investigation period, when the cost of production increased and selling price declined. Landed price of imports also declined in POI as compared to previous year. It is thus noted that imports are having adverse effect on the prices in the market.

H. Examination of other Injury Parameters

36. After having examined the effect of dumped imports on the volumes and prices of the domestic industry and major injury indicators like volume and value of imports, capacity, output, capacity utilization and sales of the domestic industry as well as demand pattern with market shares of various segments in the earlier section, other economic parameters which could indicate existence of injury to the domestic industry have been analysed hereunder as follows:

H.1 Profits and actual and potential effects on the cash flow

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI
Cost of Sales	Rs./Kg	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	105	115	110
Selling Price	Rs./Kg	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	98	121	119

Profit/Loss	Rs./Kg	***	***	***	***
Trend	Indexed	-100	-231	22	75
Profit/Loss before Tax	Rs./Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	-100	-293	32	109
PBIT	Rs./Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	-100	-664	441	642
Cash Profit	Rs./Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	-100	-74	270	342

37. The data indicates that cost of production of the domestic industry rose by 10% during POI as compared to base year whereas the selling price increased by 19% during the same period. The profit per unit which was negative in the base year and 2004-05 resulted in profits by 22 % (indexed) during 2005-06 and 75% (indexed) during POI. The profit of domestic industry on the domestic sales (PBIT) followed the same trend. It is thus found that whereas the situation of the domestic industry was improving during 2005-06 and POI which may be attributed to increase in per unit selling price.

H.2. Return on investment and ability to raise capital

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI
PBIT	Rs./Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	-100	-664	441	642
Capital Employed - NFA	Rs./Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	146	157	128
Return on Capital Employed (NFA Basis)	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	-100	-454	282	413

38. The data on capital employed shows that it increased by 46% in 2004-05, 57% in 2005-06 and 28% during POI as compared to base year 2003-04. The return on capital employed, which was negative in the base year and 2004-05; became positive at 282% in 2005-06 and 413% during POI. It is thus found that the domestic industry showed considerable improvement in 2005-06, and in POI.

H.3 Productivity

39. The data on production per employee shows that the productivity increased by 75% during POI as compared to base year.

H.3.1. Employment, productivity and wages

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI
Employment (Manpower strength)	Nos.	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	107	107	105
Productivity per employee	Kgs.	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	124	164	175
Wages	Rs./Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	109	123	150

40. The employment level does not show significant change. In indexed form it increased to 105% during POI as compared to base year. The wages increased by 50% during POI as compared to base year.

H.4 Inventories

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI
Average Stock	KG	***	***	9084	3210
Trend	Indexed	100	149	107	38

41. The data indicates the average inventory declined during POI from the 100 of the base year to 38. The stock was equivalent to 5 days of sales in 2003-04 and declined to equivalent of 1 day during Period of Investigation.

H.5. Growth

42. The growth in demand shows positive trend from base year to POI on year to year basis. The growth in production and sales also show positive throughout the POI. The cost of production and selling price declined in 2004-05 and then increased in 2005-06 and in POI. Growth of profits shows positive trend up to 2005-06 and decline in POI.

H.6. Investment

43. The Authority notes that the domestic industry has enhanced the capacity of subject goods from base year to Period of Investigation in view of rising demand and in anticipation of increase in sales as a result of imposition of anti-dumping duty on the dumped imports from the subject country.

H.7 Magnitude of Dumping

44. Magnitude of dumping as an indicator of the extent to which the dumped imports can cause injury to the domestic industry shows that the dumping margins determined against the subject countries named, for the POI, are significant.

H.8 Other factors affecting prices

45. Change in cost structure if any, competition in the domestic industry and prices of competing substitutes have been examined for analyzing the factors that might be affecting the prices in the domestic market. The cost of production has increased by 10% during POI. The net selling prices increased by 19% during the same period. The Authority notes that landed values of imported material from subject countries are significantly below the selling price of the domestic industry, causing price undercutting in the Indian market. The undercutting during POI was in the range of 31-35% and underselling was in the range of 32-37% during POI.

H.9. Conclusion on injury parameters

46. The examination of above injury parameters indicates that growth in demand was 53% during POI as compared to base year. The production of the domestic industry increased by 58% during POI, as compared to the base year. However, the sales of the domestic industry increased only by 45% during POI as compared to the base year. During

the same period, the imports of subject goods from subject countries increased significantly from 29.35 MT in 2003-04 to 110.79 MT during POI i.e. it increased by 277%. The share of the imports from subject countries in relation to demand increased from 5.25% in 2003-04 to 12.95% during POI whereas the share in demand of the domestic industry declined from 63.08% to 59.81% during the same period. The profitability became positive in 2005-06 and POI due to higher increase in per unit selling price in comparison to cost of sales. Similar trend is observed in case of profits (PBIT) and return on net capital employed.

47. The Authority notes that definitive antidumping duty at US \$ 3.06 per KG was imposed on the product under consideration and the same remained valid up to 6.2.2007. The Domestic Industry did not seek to extend the duty beyond this date as no application for a sun set review was filed. Therefore the antidumping duty expired on 6.2.2007. In the present case the period of investigation is Jan.2006 to December 2006 and therefore impact of the said antidumping duty is noticed in all parameters of pricing, profits, sales realization etc. and the progress made by domestic industry cannot be treated as a weak causal link for determination of injury.

48. The Authority provisionally concludes that the imports were significantly undercutting the prices of the domestic industry in the market. Performance of the domestic industry deteriorated in 2004-05 in comparison to the previous year but increased during 2005-06 and POI due to increase in per unit selling price. Further, even though performance with regard to sales volumes improved, the rate of growth of sales volumes was negative in investigation period as compared to preceding year with significant increase in imports in this period. Market share of the domestic industry improved till 2004-05 and declined significantly thereafter. While decline in market share in 2005-06 was due to other Indian Producers, the decline, which was more pronounced in POI, was due to dumped Chinese imports in POI. It is also found that the landed price of imports is below the direct cost of production of the domestic industry, thus indicating significant adverse impact in case Chinese imports are allowed at dumping prices. It is thus provisionally concluded that the domestic industry has suffered material injury.

I. Other Known factors and Causal Link

49. The foregoing analysis indicates that the volume of dumped imports from the subject countries have increased substantially both in absolute terms as well as in relation to the share in demand. Despite strong growth in demand, the growth of imports from subject countries has significantly displaced the market share of the domestic industry. The landed value of dumped imports from China also show a significant price undercutting and underselling on the prices of the domestic industry compelling the domestic industry to benchmark its prices to imports. This establishes causal link between dumping of the subject goods and injury to the domestic industry.

50. The Authority has also examined the issue of causal link and other non-attribution factors as laid down in the Rules to segregate injury if any caused by other factors. In this regard the following indicative factors as laid down in the Rules have been examined.

I.1. Volume and prices of imports from other sources

51. The authority notes that there are no imports from any other country. Therefore, injury cannot be attributed to imports from other countries.

I.2. Contraction in demand and / or change in pattern of consumption

52. The subject goods have shown positive growth during the injury period. Decline in demand cannot be a reason for causing injury. There is also no significant change in consumption pattern of the product in the domestic market, which could be attributed to the injury to the domestic industry.

I.3. Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers

53. The Authority notes that there is no restricted practice prevalent in the industry, which could be attributed to the injury to the domestic industry.

I.4. Development of technology

54. The Authority notes that technology for production of the product has not undergone any change. Development of any other technology, therefore, cannot be attributed to the injury to the domestic industry.

I.5. Export performance

55. The Authority notes that the export volume of the domestic industry has declined during the POI. Petitioner alleged that decline in export volumes was due to Chinese producers resorting to dumping in other market as well, where the Chinese producers are competing not only with the Indian Producers, but also amongst themselves. However, the Authority has considered only domestic operations and therefore, injury, if any, caused to the domestic industry due to decline in exports has not been attributed to dumped imports from subject country.

I.6. Productivity of the Domestic Industry

56. Productivity of the domestic industry has increased which is a result of increase in production. It cannot, thus be said that the injury to the domestic industry has been caused by decline in production.

57. No other factor which could have possibly caused injury to the domestic industry has been brought to the knowledge of Authority.

58. On the basis of the above examination it is concluded that the subject goods exported from the subject countries are at prices below their normal values, Non Injurious Price of the domestic industry and the net sales realization of the subject goods of the applicants, and have caused injury to the domestic industry indicating causal links between dumping of subject goods and injury to the domestic industry.

J. Magnitude of Injury Margin

59. The non-injurious price determined by the Authority has, therefore, been compared with the average landed value determined based upon the data provided by the co-operating exporter, data collected by the Authority directly from DGCI&S and data provided by the

Domestic Industry from IBIS source for determination of injury margin for all exporters from the subject country. Injury margin thus worked out are given in the table below.

J.1. Injury margin Calculations

Name of company	Injury Margin (US\$/KG)	Injury Margin (INR/KG)
M/s. Tangyin Yongqi Chemical Industry Co. Ltd Company	***	***
All other exporters from China PR	***	***

K. Conclusions

60. The Authority has, after considering the foregoing, come to the conclusion that:

- (a) The subject goods have been exported to India from the subject countries below its normal value;
- (b) The domestic industry has suffered material injury;
- (c) The injury has been caused by the dumped imports from subject countries.

L. Indian industry's interest & other issues

61. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

M. Recommendations

62. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide positive information on the aspect of dumping, injury and causal links. Having initiated and conducted a preliminary investigation into dumping, injury and causal links between dumping and injury to the domestic industry in terms of the Rules laid down and having provisionally established positive dumping margin against the subject countries, as well as material injury to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of provisional duty is required to offset dumping and injury pending completion of the investigation.

63. Therefore, Authority considers it necessary and recommends provisional anti-dumping duty on imports of subject goods from the subject countries in the form and manner described hereunder.

64. Having regard to the lesser duty rule followed by the authority, the Authority recommends imposition of provisional anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, provisional antidumping duty equal to the amount indicated in Col 8 of the

table below is recommended to be imposed from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on all imports of subject goods originating in or exported from the subject countries.

Duty Table

S. No	Tariff Heading	Description of Goods	Country Of Origin	Country Of Export	Producer	Exporter	Duty Amount	Unit	Currency
1.	2942 .or 2922, .or 2941	Diclofenac Sodium	China PR	China PR	Tangyin Yongqi Chemical Industry Co. Ltd	Tangyin Yongqi Chemical Industry Co. Ltd	100	Per Kilogram	Indian Rupees
2.	2942 .or 2922, .or 2941	Diclofenac Sodium	China PR	China PR	Any	Tangyin Yongqi Chemical Industry Co. Ltd	100	Per Kilogram	Indian Rupees
3.	2942 .or 2922, .or 2941	Diclofenac Sodium	China PR	China PR	Any	Any other than Tangyin Yongqi Chemical Industry Co. Ltd	135	Per Kilogram	Indian Rupees
4.	2942 .or 2922, .or 2941	Diclofenac Sodium	China PR	Any	Any	Any	135	Per Kilogram	Indian Rupees

N. Further Procedures

65. The following procedure would be followed subsequent to notifying the preliminary findings:-

- (a) The Authority invites comments on these findings from all interested parties and the same would be considered in the final finding;
- (b) Exporters, importers, applicants and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within forty days from the date of the dispatch of the letter. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings;
- (c) The Authority would conduct further verification to the extent deemed necessary;
- (d) The Authority would disclose essential facts before announcing final findings.

R. GOPALAN, Designated Authority